आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–13 जनवरी 2026 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहले हवें कि प्रगति जइसन मंच उत्तर प्रदेस खातिर गेम चेंजर साबित भइल हौ। लखनऊ में आजु सक्रिय सासन आ समय पर कार्यान्वयन से सम्बन्धित पोर्टल 'प्रगति' से जुड़ल पत्रकार वार्ता के सम्बोधित करत उहां के कहलीं कि एकरे जरिया से देस नया ऊंचाइयन के छू रहल बा आ उत्तर प्रदेस देस क ग्रोथ इंजन बनि के उभरि रहल बा। श्री योगी कहलें कि प्रगति नया भारत क कार्य संस्कृति क एगो नया उदाहरण हौ अउर एकरे जरिया से छियासी लाख करोड़ से बेसी क परियोजनन के गति मिलल बा।

यूपी के अन्दर इन्फ्रास्ट्रक्चर पोर्टफोलियो के रूप में अगर हम देखते हैं तो कुल इस दौरान दस लाख अड़तालीस हजार करोड़ रूप्ये की तीन सौ तीस परियोजनाओं के साथ उत्तर प्रदेश के पास देश का सबसे बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर पोर्टफोलियो है, जिसमें परिवहन हैं, पावर है, शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर का है, स्वास्थ्य का है, औद्योगिक विकास जैसे प्रमुख क्षेत्र इसमें शामिल हैं।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु गोरखपुर महोत्सव के समापन समारोह में सामिल भइलें। येह मौका पर उहां के कहलीं कि पछिला आठ सालि के अन्दर गोरखपुर में हजारों करोड़ क निवेस भइल हौ आ पचास हजार लोगिन के रोजिगार मिलल बा। लोगि अपनहीं जिला में नोकरी पा रहल हवें। उहां के कहलीं कि रामगढ़ताल पर्यटन क केन्द्र बनि के उभरि रहल बा। मुख्यमंत्री महोत्सव में लागल अलगि–अलगि स्टालन क निरीक्षणो कइलें।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कालि्ह भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण–एनएचएआई के कई गो सड़कि परियोजनन के प्रगति क वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा कइले। येह दौरान उहां के अधिकारियन के कई गो जरूरी दिसा–निरदेस दिहलीं। एगो रिपोर्ट–

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास प्रदेश की आवश्यकता है, लेकिन यह पर्यावरण की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण का संतुलन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री योगी ने निर्देश दिए कि किसी भी परियोजना के लिए अपरिहार्य स्थिति में ही वृक्षों का कटान हो। जितने वृक्ष काटे जाएं, उससे अधिक संख्या में पौधरोपण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस वर्ष प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य तय किया गया है। परियोजनाओं के समयबद्ध निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री ने उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए निर्देशित किया कि जिलाधिकारी साप्ताहिक एवं मुख्य सचिव पाक्षिक स्तर पर कार्यों की गहन समीक्षा करें। किसी भी स्तर पर लंबित विषयों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहित की इन परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों से सीधा संवाद किया जाए। समाचार कक्ष से अरूण।

****

केंद्रीय संसदीय कार्य आ अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बिपक्षी दलन की ओरि से विकसित भारत–जी–राम–जी अधिनियम के मामिला में जनता के गुमराह कइले क आलोचना कइले हवें। लखनऊ में आजु पत्रकार लोगिन से बतियावत उहां के कहलीं कि लोगिन के येह अधिनियम क लाभ बहुते जल्दी महसूस होई। केन्द्रीय मंत्री श्री रिजिजू कहलें कि येह अधिनियम क प्राविधान ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य आ जल संरक्षण के क्षेत्र में खास बदलाव ले आई। उहां के आरोप लगवलीं कि बिपक्षी दल येह अधिनियम के ले के लोगिन के गुमराह कइले क कोसिस कइ रहल हवें।

****

सर्वोच्च न्यायालय सार्वजनिक जगहिनि पर आवारा कुत्तन के खाना खियवले के मामिला में टिप्पणी कइले हवे। एगो रिपोर्ट–

सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वाले लोगों और संगठनों के आचरण पर सख्त सवाल उठाते हुए पूछा है कि क्या दया केवल जानवरों तक ही सीमित है और मनुष्यों तक नहीं? न्यायालय ने जवाबदेही पर चिंता जताते हुए कहा है कि यदि लावारिस कुत्ते के हमले में किसी बच्चे की मौत हो जाती है तो कौन जिम्मेदार होगा। सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए पिछले साल जुलाई से इसकी सुनवाई कर रहा है। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

केन्द्र सरकार सोसल मीडिया पर परसारित हो रहल ओह सनेसा क खण्डन कइले हौ, जेहमें दावा कइल गइल बा कि सरकार छात्रन के लैपटॉप योजना दुइ हजार छब्बीस में मुफ्त लौपटॉप दे रहलि हौ। येह भ्रामक सनेसा के मोताबिक सरकार लाभार्थियन से उनकर व्यक्तिगत जनकारी साझा करे के कहि रहलि हौ। पत्र सूचना कार्यालय–पीआईबी क फैक्ट चेक इकाई बतवले हवे कि ई दावा फरजी बा आ ई एगो घोटाला क हिस्सा हौ।

****

कड़ेर ठंडी, सितलहरी आ कुहेसा के बिच्चे पूरबी उत्तर प्रदेस के गोरखपुर के सथहीं कई गो अउरियो जिलन में आजु निकरल घाम कुछु राहति दिहलस। दिन में निकरल घाम के बवजूद गलन के नाते जन–जीवन परभावित रहल। मौसम विभाग अगिला दुइ से तीनि दिन ले प्रदेस में कहीं–कहीं घना कुहेसा क चेतावनी दिहले हौ। येह दौरान मौसम सुस्क रही।

****